Roll No.----------------------

Paper Code		
2	9	9

(To be filled in the OMR Sheet)

प्रश्नपुस्तिका क्रमांक
Question Booklet No.

O.M.R. Serial No.

प्रश्नपुस्तिका सीरीज
Question Booklet Series
C

K-299

LL.B (Fifth Semester) Examination, July-2022

(LL.B506)

Interpretation of Statutes & Principles of Legislation

(For Regular/Ex/Back Paper)

Time : 1:30 Hours **Maximum Marks-100**

जब तक कहा न जाय, इस प्रश्नपुस्तिका को न खोलें

निर्देश : –

1. परीक्षार्थी अपने अनुक्रमांक, विषय एवं प्रश्नपुस्तिका की सीरीज का विवरण यथास्थान सही– सही भरें, अन्यथा मूल्यांकन में किसी भी प्रकार की विसंगति की दशा में उसकी जिम्मेदारी स्वयं परीक्षार्थी की होगी।
2. **इस प्रश्नपुस्तिका में 100 प्रश्न हैं, जिनमे से केवल 75 प्रश्नों के उत्तर परीक्षार्थियों द्वारा दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर प्रश्न के नीचे दिये गये हैं। इन चारों में से केवल एक ही उत्तर सही है। जिस उत्तर को आप सही या सबसे उचित समझते हैं, अपने उत्तर पत्रक (O.M.R. ANSWER SHEET) में उसके अक्षर वाले वृत्त को काले या नीले बाल प्वांइट पेन से पूरा भर दें। यदि किसी परीक्षार्थी द्वारा किसी प्रश्न का एक से अधिक उत्तर दिया जाता है, तो उसे गलत उत्तर माना जायेगा।**
3. प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। आप के जितने उत्तर सही होंगे, उन्हीं के अनुसार अंक प्रदान किये जायेंगे।
4. सभी उत्तर केवल ओ०एम०आर० उत्तर पत्रक **(O.M.R. ANSWER SHEET)** पर ही दिये जाने हैं। उत्तर पत्रक में निर्धारित स्थान के अलावा अन्यत्र कहीं पर दिया गया उत्तर मान्य नहीं होगा।
5. ओ०एम०आर० उत्तर पत्रक **(O.M.R. ANSWER SHEET)** पर कुछ भी लिखने से पूर्व उसमें दिये गये सभी अनुदेशों को सावधानीपूर्वक पढ़ लिया जाय।
6. परीक्षा समाप्ति के उपरान्त परीक्षार्थी कक्ष निरीक्षक को अपनी ओ०एम०आर० शीट उपलब्ध कराने के बाद ही परीक्षा कक्ष से प्रस्थान करें।
7. निगेटिव मार्किंग नहीं है।

महत्वपूर्ण : – **प्रश्नपुस्तिका खोलने पर प्रथमतः जॉच कर देख लें कि प्रश्नपुस्तिका के सभी पृष्ठ भलीभॉति छपे हुए हैं। यदि प्रश्नपुस्तिका में कोई कमी हो, तो कक्ष निरीक्षक को दिखाकर उसी सीरीज की दूसरी प्रश्नपुस्तिका प्राप्त कर लें।**

1. The statutes which have no mentioned time limit for their existence but are subject to amendments from time to time are called :
   (A) Temporary statutes
   (B) Permanent statutes
   (C) Long duration statutes
   (D) Perpetuity statutes
2. "The Basis of the rule is literal rule but its results are very different from literal rule." The statement refers to which rule of interpretation :
   (A) Mischief Rule
   (B) Golden Rule
   (C) Harmonious Construction
   (D) None of the above
3. The term In Pari Materia means :
   (A) Of the same kind and of same nature
   (B) From the association
   (C) Repugnancy
   (D) Delegated legislation
4. Purposive Approach to interpretation means :
   (A) The Judge must interpret the statute in accordance with purpose of the Act
   (B) Judge must interpret the statute on the basis of need of the situation
   (C) The Judge must interpret the statute in his discretion
   (D) All the above

1. ऐसी संविधियाँ जिनके अस्तित्व की समय–सीमा निर्धारित नहीं की जाती, परन्तु वे समय समय पर संशोधन योग्य होते हैं, कहलाते हैं :
   (A) अस्थायी संविधियाँ
   (B) स्थायी संविधियाँ
   (C) दीर्घकालिक संविधियाँ
   (D) शाश्वत संविधियाँ
2. "इस नियम का आधार तो शाब्दिक नियम परन्तु परिणाम शाब्दिक नियम से बिल्कुल अलग होते हैं" यह कथन जिस नियम का वर्णन कर रहा है, वह है :
   (A) रिष्टि का नियम
   (B) स्वर्णिम नियम
   (C) सामंजस्य अर्थान्वयन को
   (D) उपरोक्त में से कोई नहीं
3. "इन पारी मैटेरिया" शब्दावली का अर्थ है :
   (A) उसी प्रकार और उसी प्रकृति का
   (B) साहचर्य से
   (C) असंगतता
   (D) प्रत्यायोजित विधायन
4. अर्थान्वयन के प्रति उद्देश्यपूर्ण दृष्टिकोण रखने से तात्पर्य है :
   (A) न्यायाधीश संविधि का निर्वचन उसके उद्देश्य के अनुसार करें
   (B) न्यायाधीश परिस्थितियों की आवश्यकतानुसार संविधि का निर्वचन करें
   (C) न्यायाधीश अपने स्वविवेक से संविधि का निर्वचन करें
   (D) उपरोक्त सभी

5. Doctrine of Harmonious construction emphasis that :
   (A) An Act should be read in part entirety and not in on
   (B) In case of clash between two provisions of the same Act interpretation should be such as to give effect to both and not make any provision in effective
   (C) Both (A) and (B) are correct
   (D) Either (A) or (B) is correct

5. सांमजस्यपूर्ण अर्थान्वयन का सिद्धान्त बल देता है कि :
   (A) एक अधिनियम को संपूर्णता में पढ़ा जाये न कि भाग में
   (B) एक ही अधिनियम दो प्रावधानों में टकराव की स्थिति में ऐसा निर्वचन हो जो दोनों प्रावधानों को लागू करे तथा अन्य को निष्प्रभावी न करें
   (C) (A) और (B) दोनों सही हैं
   (D) या तो (A) अथवा (B) सही है

6. The doctrine of Harmonious Construction was applied by Indian Supreme Court in Re Kerala Education Bill Case (1957) with reference to :
   (A) Conflict between fundamental rights
   (B) Conflict between two Directive Principles
   (C) Conflict between Directive Principles and fundamental Rights
   (D) None of the above

6. सामंजस्यपूर्ण अर्थान्वयन का सिद्धान्त उच्चतम न्यायालय ने रे केरला ऐज्यूकेशन बिल वाद (1957) में लागू किया था :
   (A) मूल अधिकारों में संघर्ष के संबंध में
   (B) दो राज्य नीति निदेशक तत्वों के संघर्ष के संबंध में
   (C) राज्य के नीति निदेशक तत्वों तथा मूलभूत अधिकारों के संघर्ष के संबंध में
   (D) उपरोक्त में से कोई नहीं

7. M. Karunanidhi Vs Union of India is a leading case on the doctrine of:
   (A) Repugnancy
   (B) Pith and Substance
   (C) Severability
   (D) Colourable legislation

7. एम० करूणानिधि बनाम भारत संघ का लीडिंग केस जिस सिद्धान्त से संबंधित है, वह है :
   (A) असंगति का
   (B) सार एवं तत्व का
   (C) पृथक्कता का
   (D) पीत विधायन का

8. Doctrine of Repugnancy is applicable to :
   (A) Union list
   (B) State list
   (C) Concurrent list
   (D) Both (A) and (B) are correct

8. असंगतता का सिद्धान्त लागू होता है :
   (A) संघ सूची पर
   (B) राज्य सूची पर
   (C) समवर्ती सूची पर
   (D) (A) और (B) दोनों सही हैं

9. When there is a conflict between an Act made by the Parliament and a State legislature on the same subject the doctrine applicable would be :
(A) Doctrine of Repugnancy
(B) Doctrine of Pith and Substance
(C) Doctrine of Colourable Legislation
(D) All the above

10. Doctrine of prospective over ruling was propounded in the case of :
(A) Keshavanand Bharti Vs State of Kerala
(B) I. C. Golaknath Vs State of Punjab
(C) Shankari Prasad Vs Union of India
(D) None of the above

11. In Colourable Legislation there is :
(A) Abuse of power by the legislature
(B) Essence of law is important
(C) Outer form of law is immaterial
(D) All the above are true

12. D. C. Wadhwa Vs State of Bihar is a famous related to doctrine of :
(A) Repugnancy
(B) Pith and Substance
(C) Colourable legislation
(D) Occupied field

13. "What one cannot do directly one cannot do the same indirectly." is the basis of doctrine of :
(A) Colourable legislation
(B) Pith and substance
(C) Implied power
(D) Occupied field

9. जबकि समान विषय पर बनाई गई विधि पर संसद तथा राज्य विधानमंडल द्वारा बनाई गई विधि में गतिरोध हो, तब जिस सिद्धान्त का प्रयोग किया जाता है, वह है :
(A) असंगतता सिद्धान्त का
(B) सार एवं तत्व सिद्धान्त का
(C) छद्‌म विधायन सिद्धान्त का
(D) उपरोक्त सभी का

10. भविष्यलक्षी प्रत्यादेश का सिद्धान्त प्रतिपादित किया था जिस वाद में, वह है :
(A) केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य
(B) आई० सी० गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य
(C) शंकरी प्रसाद बनाम भारत संघ
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

11. छद्‌म विधायन के अन्तर्गत सम्मिलित है :
(A) विधायिका द्वारा अपनी शक्तियों का दुरूपयोग
(B) विधि का सार महत्वपूर्ण होता है
(C) विधि का बाहरी आवरण महत्वहीन है
(D) उपरोक्त सभी सही है

12. डी० सी० वाधवा बनाम बिहार राज्य का प्रसिद्ध वाद संबंधित है जिस सिद्धान्त से, वह है :
(A) असंगतता का
(B) सार एवं तत्व का
(C) छद्‌म विधायन से
(D) दखलकृत क्षेत्र से

13. "जो कार्य प्रत्यक्षत नहीं किया जा सकता वह अप्रत्यक्ष रूप से भी नहीं किया जा सकता है।" यह आधार है जिस सिद्धान्त का, वह है :
(A) छद्‌म विधायन का
(B) सार एवं तत्व का
(C) विवक्षित शक्ति का
(D) दखलकृत क्षेत्र का

14. Doctrine of pith and substance looks at the :
 (A) Competency of legislature to make a law
 (B) In essence and nature law made by legislature is on the assigned entry
 (C) Incidentental transgression on another entry is sidelined
 (D) All the above are correct

14. सार एवं तत्व का सिद्धान्त अवलोकन करता है:
 (A) विधायिक की विधि बनाने की सक्षमता पर
 (B) सारतः एवं प्रकृति अनुसार निर्मित विधि विधायिका को आवँटित विषय पर हो
 (C) किसी अन्य सूची के विषय पर आनुषंगिक अतिक्रमण को दरकिनार किया जाता है
 (D) उपरोक्त सभी सही हैं

15. Profulls Kumar Vs Commercial Bank, Khulna is a case related doctrine of :
 (A) Pith and substance
 (B) Colourable legislation
 (C) Harmonious Construction
 (D) Repugnancy

15. प्रफुल्ल कुमार बनाम वाणिज्यिक बैंक, खलना का वाद संबंधित है जिस सिद्धान्त से वह है :
 (A) सार एवं तत्व का
 (B) छद्म विधायन का
 (C) सामंजस्यपूर्ण अर्थान्वयन का
 (D) असंगतता का

16. When law made by parliament on union list incidentally touches the entry in state list, then to decide the validity of law made by parliament the doctrine applied is :
 (A) Doctrine of colourable legislation
 (B) Doctrine of pith and substance
 (C) Doctrine of Repugnancy
 (D) All the above

16. जब संसद द्वारा संघ सूची पर बनाई गई विधि प्रसंगवश राज्य सूची के विषय को भी छूती है तब संसदीय विधि की विधिमान्यता निर्धारित करने के लिए जिस सिद्धान्त को लागू किया जाता है, वह है :
 (A) छद्म विधायन का सिद्धान्त
 (B) सार एवं तत्व का सिद्धान्त
 (C) असंगतता का सिद्धान्त
 (D) उपरोक्त सभी

17. Doctrine of occupied field is applicable to which article of the constitution ?

(A) Article 252

(B) Article 250

(C) Article 258

(D) Article 254

17. दखलकृत क्षेत्र का सिद्धान्त संविधान के किस अनुच्छेद पर लागू होता है ?

(A) अनुच्छेद 252

(B) अनुच्छेद 250

(C) अनुच्छेद 258

(D) अनुच्छेद 254

18. According to doctrine of occupied field if on a concurrent subject a law is made by Parliament then it occupies that are a/field consequently :

(A) States are excluded from making law in such subject field

(B) Even after making of central law state law comes, then central law shall both prevail in case of repugnancy in both

(C) Both (A) and (B) are correct

(D) None of the above

18. दखलकृत क्षेत्र के सिद्धान्तानुसार जब समवर्ती सूची के किसी विशिष्ट विषय पर विधि संसद द्वारा बनाई जाती है तो वह इस क्षेत्र/विषय पर दखल कर लेती है, परिणामस्वरूप :

(A) राज्य ऐसे विषय/क्षेत्र पर विधि नहीं बना सकते हैं

(B) यद्यपि केन्द्रीय विधि के पश्चात उसी विषय/क्षेत्र पर राज्य विधायन आता है तो केन्द्रीय विधायन प्रभावी होगा जब दोनों विधियाँ असंगत हों

(C) (A) और (B) दोनों सही है

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

19. The doctrine of occupied field is applied in interpretation of laws made by Parliament in :

(A) Union list

(B) Concurrent list

(C) Both (A) and (B)

(D) None of the above

19. दखलकृत क्षेत्र का सिद्धान्त सामान्यतः संसद द्वारा किसी सूची पर बनायी गई विधियों के निर्वचन पर लागू होता है :

(A) संघ सूची

(B) समवर्ती सूची

(C) (A) और (B) दोनों

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

20. Find the correct option –
The provisions of the constitution should be generally given :
(A) Literal interpretation
(B) Narrow and restricted interpretation
(C) Wide and liberal interpretation
(D) All the above

20. साधारणतया संवैधानिक प्रावधानों का निर्वचन होना चाहिए :
(A) शाब्दिक
(B) संकीर्ण एवं सीमित
(C) विस्तृत तथा उदारवादी
(D) उपरोक्त सभी

21. The statute that is used as an aid in interpretation of statutes is :
(A) General clauses Act, 1897
(B) Interpretation of statutes Act, 1897
(C) Statutes Act, 1907
(D) All the above

21. वह अधिनियम जो कि संविधियों के निर्वचन में सहायक के रूप में प्रयोग किया जाता है, वह है :
(A) सामान्य खण्ड अधिनियम, 1897
(B) संविधियों का निर्वचन अधिनियम, 1897
(C) संविधि अधिनियम, 1907
(D) उपरोक्त सभी

22. Labour laws should be interpreted:
(A) Beneficially
(B) Strict
(C) Purposive
(D) Both beneficial and purposive

22. श्रमिक विधियों का अर्थान्वयन होना चाहिए :
(A) हितप्रद
(B) कठोर
(C) उद्देश्य साधक
(D) हितप्रद तथा उद्देश्य साधक दोनों

23. The difference between Tax avoidance and Tax Evasion is that:
(A) Tax avoidance does not violate Taxing statute where as Tax evasion violated Taxing Law
(B) Both aim for non payment of due tax by direct versus indirect means.
(C) There is no difference between the two as both violate law
(D) None of the above

23. कर अपवर्जन तथा कर परिविर्जन में अन्तर यह है कि :
(A) कर अपवर्जन कर संविधि का उल्लंघन नहीं करता जबकि कर परिविर्जन उल्लंघन करता है
(B) दोनों का उद्देश्य देय कर को बचाना होता है प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से
(C) दोनों विधि का उल्लंघन करते हैं और उनमें कोई अंतर नहीं है
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

24. The Modern Trend Towards interpretation of Taxing statutes and their exemption clause is that :

(A) Both should be construed strictly

(B) The gap between Taxing statute and Beneficial statute interpretation should be reduced sufficiently

(C) Both represent two conflicting interest one of assesses and other of public

(D) All the above are true

24. कर संविधियों तथा उनके रियायतों के अर्थान्वयन का आधुनिक रूझान यह है कि :

(A) दोनों का कठोर निर्वचन होना चाहिए

(B) कर संविधि तथा हितप्रद संविधियों के निर्वचन के मध्य के अन्तराल को पर्याप्त मात्रा में कम करना चाहिए

(C) दोनों परस्पर विरोधी हितों का प्रतिनिधित्व निर्धारिती तथा जनता का करते हैं

(D) उपरोक्त सभी सही है

25. Exemption and rebate classes of a Taxing statute should be construed:

(A) Liberally

(B) Beneficially

(C) Strictly

(D) Strictly and beneficially

25. कर संबंधी छूट तथा रियायती खण्डों का निर्वचन किया जाना चाहिए :

(A) उदारता के साथ

(B) हितप्रद दृष्टिकोण से

(C) कठोरता के साथ

(D) कठोरता तथा हितप्रद दृष्टिकोण से

26. When the language of a Taxing Statute is unclear and ambiguous then interpretation should :

(A) Be strict as usual

(B) Favour the Tax-Payer

(C) Favour the state

(D) All the above

26. जब कर संविधि की भाषा अस्पष्ट एवं संदिग्ध हो तो उसका अर्थान्वयन होना चाहिए :

(A) कठोर जैसे आमतौर पर किया जाता है

(B) करदाता के पक्ष में

(C) राज्य के पक्ष में

(D) उपरोक्त सभी

27. Taxing Laws should be constructed strictly means :
(A) The language Taxing statute should not be so enlarged as to favour state
(B) Words is Taxing statutes should not so restricted as to benefit the tax Payer
(C) Interpretation of Taxing statutes should be literal if words are clear
(D) All the above

27. कर विधियों का कठोर अर्थान्वयन किया जाना चाहिए, का अर्थ है :
(A) कर संविधि की भाषा में खींचतान कर राज्य के पक्ष में अर्थान्वयन न किया जाय
(B) कर संविधि के शब्दों को इतना संकुचित न कर दिया जाय जिससे कर–दाता लाभान्वित हो
(C) जब संविधि के शब्द स्पष्ट हो तो कर विधि का अर्थान्वयन शाब्दिक हो
(D) उपरोक्त सभी

28. The imposition of Tax in personal property of its citizens by state is based on principle of :
(A) Public Interest is the supreme law
(B) Public interest is greater than the personal interest
(C) State is sovereign in imposition of Tax
(D) Only (A) and (B) are correct

28. नागरिकों की व्यक्तिगत संपत्ति पर राज्य द्वारा कर अधिरोपित करना आधारित है जिस सिद्धान्त पर वह है :
(A) लोकहित ही सर्वोच्च विधि है
(B) लोकहित व्यक्ति के हित से बड़ा है
(C) राज्य कर अधिरोपण में संप्रभु है
(D) केवल (A) और (B) सही हैं

29. Which among the following is not the limitation on strict construction of Penal statutes Rule ?
(A) Where words of statute are clear and unambiguous
(B) Universality of strict interpretation of Penal Statutes principle
(C) Purposive Interpretation
(D) Conflicting provisions of probation of offenders Act

29. निम्न में से कौन दाण्डिक विधियों के कठोर निर्वचन के सिद्धान्त की सीमा नहीं है :
(A) जब संविधि के शब्द स्पष्ट तथा संदिग्धता से परे हों
(B) दाण्डिक विधियों के कठोर निर्वचन के सिद्धान्त की सार्वभौमिकता
(C) उद्देश्यपूर्ण अर्थान्वयन
(D) परिवीक्षा अधिनियम के परस्पर विरोधी दृष्टिकोण

30. In case of two or more probable explanations of an ambiguous provision of a Penal law, courts go for inference favouring accused, hence Penal statute is also called :

(A) Beneficial statute

(B) Reasonable statute

(C) Progressive statute

(D) Holistic statute

30. जब किसी दाण्डिक विधि के प्रावधान के दो या अधिक संभाव्य व्याख्याएँ की जा सकती है तो न्यायालय अभियुक्त के प्रति लाभदायी व्याख्या को अपनाता है, जिस कारण दाण्डिक विधि को कहते हैं :

(A) हितप्रद विधि

(B) युक्तियुक्त विधि

(C) प्रगतिशील विधि

(D) संपूर्ण विधि

31. If there is ambiguity in the language of a penal statute and there is probability of drawing two or more inferences then Court will:

(A) Carry out grammatical interpretation

(B) Resort to that provision of law which is more beneficial to accused

(C) Resort to Golden Rule

(D) Both (B) and (C) are correct

31. यदि दण्ड–विधि, विधि की भाषा में संदिग्धता हो और दाण्डिक उपबन्ध के दो या अधिक सम्भाव्य व्याख्याएं की जा सकती है तो न्यायालय :

(A) व्याकरणिक व्याख्या करेगा

(B) न्यायलय उस उपबंध की शरण लेगा, जो अभियुक्त हेतु अधिक लाभदायक हों

(C) स्वर्णिम नियम का सहारा लेगा

(D) (B) और (C) दोनों सही हैं

32. Penal Statute's should :

(A) Be Strictly construed

(B) Not have retrospective effect

(C) Be given prospective enforcement

(D) All the above are correct

32. दण्ड कानूनों का :

(A) कठोर निर्वचन किया जाना चाहिए

(B) भूतलक्षीय प्रभाव नहीं होना चाहिए

(C) भविष्यलक्षीय प्रवर्तन होना चाहिए

(D) उपरोक्त सभी सही हैं

33. The presumption that National Law is accord with International Law is based upon :

(A) When language of National Law is ambiguous and non explicit

(B) There is possibility of two interpretation of words used in National statute

(C) Either (A) or (B) is true

(D) Both (A) and (B) are true

33. यह उपधारणा कि राष्ट्रीय विधि अंतर–राष्ट्रीय विधि के अनुकूल है आधारित है :

(A) जब राष्ट्रीय विधि की भाषा संदिग्धार्थकता संयुक्त तथा अस्पष्ट हो

(B) राष्ट्रीय विधि में प्रयुक्त शब्दों के दो अर्थान्वयन संभव हों

(C) या तो (A) अथवा (B) सत्य है

(D) (A) और (B) दोनों सत्य है

34. Regarding National Law there is Presumption that :

(A) National Law is not against International Law

(B) National Law will always be in accord with International Law and it will not be in discord with the latter

(C) Both (A) and (B) are correct

(D) None of the above

34. राष्ट्रीय विधि के संबंध में यह उपधारणा रहती है कि :

(A) राष्ट्रीय विधि अंतर्राष्ट्रीय विधि के प्रतिकूल नहीं होती

(B) राष्ट्रीय विधि सदैव अंतर्राष्ट्रीय विधि के अनुकूल होगी न कि प्रतिकूल

(C) (A) और (B) दोनों सही हैं

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

35. Choose the best option -

Law made by Parliament is operative :

(A) Prospectively

(B) Retrospectively

(C) Generally prospectively but when specifically mentioned operative retrospectively also

(D) Instantly

35. सर्वोत्कृष्ट विकल्प का चयन करें –

संसद द्वारा बनाई गई विधि लागू होती है :

(A) भावी प्रभाव से

(B) भूतलक्षीय प्रभाव से

(C) सामान्यतः भविष्यलक्षी (भावी) प्रभाव से परन्तु यदि विशिष्ट रूप से उल्लिखित हो तो भूतलक्षीय प्रभाव से भी

(D) तुरन्त

36. The law made by a legislature is based on the presumption that :
   (A) Legislature was competent to make the law
   (B) Legislature had the jurisdiction to legislate on the subject
   (C) Legislature does not makes law against public interest
   (D) All the above are correct

36. विधायिका द्वारा बनाई गई विधि इस उपधारणा पर आधारित होती है :
   (A) विधायिका विधायन करने के लिए सक्षम थी
   (B) विधायिका को संबंधित विषय पर विधायन करने की अधिकारिता थी
   (C) विधायिका कभी भी जनहित के विरूद्ध विधि नहीं बनाती है
   (D) उपरोक्त सभी सही हैं

37. The case law related to presumption of Constitutionality related to a law made by parliament is :
   (A) Shankari Prasad Vs Union of India
   (B) Chiranjeet Lal Chaudhary Vs. Union of India
   (C) A. K. Kraipak Vs. Union of India
   (D) All the above

37. विधायिका द्वारा बनाई गई विधि की संवैधानिकता के संबंध में उपधारणा संबंधित निर्णितवाद है :
   (A) शंकरी प्रसाद बनाम भारत संघ
   (B) चिरंजीत लाल चौधरी बनाम भारत संघ
   (C) ऐ० के० क्रेपाक बनाम भारत संघ
   (D) उपरोक्त सभी

38. The basis of presumption regarding Constitutionality of statute is :
   (A) The legislature understands the needs of the people and appreciates them
   (B) Law made by legislature is based on experience and facts and discrimination is on sufficient grounds
   (C) Both (A) and (B) are correct
   (D) Either (A) or (B) is correct

38. किसी अधिनियम की संवैधानिकता संबंधी उपधारणा का आधार है :
   (A) विधायिका जन आवश्यकताओं को समझती है तथा उनका आदर करती है
   (B) विधायिका द्वारा बनाई गई विधि अनुभव एवं तथ्य जनित होती हैं और इसके विभेदीकरण पर्याप्त आधार पर होते हैं
   (C) (A) और (B) दोनों सही हैं
   (D) या तो (A) अथवा (B) सही है

39. A presumption in law means :
(A) Inferences concluded by the Court with respect to existence of certain facts
(B) Inference drawn can be affirmative or negative
(C) Drawing inference using best probable reasoning of circumstances
(D) All the above

40. When the meaning of a statute is clear then there is :
(A) A need for presumption
(B) No need for presumption
(C) Presumption is independent of clarity in law
(D) None of the above

41. The scope of Judicial Activism is :
(A) Very narrow
(B) Very wide
(C) Very wide but subject to accountability and restraint
(D) Cannot be foresighted

42. 'Judicial Activism' is a :
(A) Permanent Phenomenon
(B) Transitory Phenomenon
(C) When executive and Legislature start performing their obligations, judicial activism due ends
(D) Both (B) and (C) are true

39. विधि के अन्तर्गत उपधारणा का अर्थ है :
(A) न्यायालय द्वारा निकाले गये निष्कर्ष जो कि निश्चित तथ्यों को विद्यमान रहने पर आधारित हो
(B) निकाले गये निष्कर्ष सकारात्मक अथवा नकारात्मक हो सकते हैं
(C) निष्कर्ष परिस्थितियों का सर्वोत्कृष्ट संभावित तार्किकता के आधार पर निकाले जाते हैं
(D) उपरोक्त सभी

40. जबकि संविधि का अर्थ स्पष्ट हो तब :
(A) उपधारणा की आवश्यकता होती है
(B) उपधारणा की आवश्यकता नहीं होती है
(C) उपधारणा विधि की स्पष्टता से स्वतन्त्र है
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

41. न्यायिक सक्रियतावाद का दायरा है :
(A) अत्यन्त संकीर्ण
(B) अत्यन्त विस्तृत
(C) अत्यन्त विस्तृत परन्तु जवाबदेही तथा सीमा के अधीन
(D) पूर्वकल्पित नहीं किया जा सकता

42. न्यायिक सक्रियतावाद है :
(A) स्थायी घटनाक्रम
(B) संक्रमणकालीन घटनाक्रम
(C) जब कार्यपालिका तथा विधायिका अपने दायित्वों का सम्यक निर्वहन करने लगते है तब न्यायिक सक्रियतावाद समाप्त हो जाता है
(D) (B) और (C) दोनों सही हैं

43. The term 'Judicial Activism' was coined by :
(A) Rousseau
(B) Justice V. R. Krishna Iyer
(C) Justice Cardozo
(D) Arthur Schlesinger Jr.

44. Judicial activism came into practice :
(A) Owing to failure of Legislature and Executive to discharge the constitutional obligations
(B) Citizen look to the Judiciary as a last resort for protection of their basic rights
(C) Legislative Vacuum
(D) All the above

45. Judicial Activism is activated by a presentation of writ petition by under :
(A) Article 32 of the Constitution to Supreme Court
(B) Article 226 of the Constitution to High Court of a state
(C) Both (A) and (B) are true
(D) None of the above is correct

46. Judicial Activism is resolved by :
(A) Superior Court's
(B) Executive
(C) Legislatue
(D) By all the above

43. 'न्यायिक सक्रियतावाद' शब्दावली दी गई थी :
(A) रूसो द्वारा
(B) जस्टिस वी० आर० कृष्ण अय्यर द्वारा
(C) जस्टिस कार्डोजो द्वारा
(D) आर्थर स्कलीसिंगर द्वारा

44. न्यायिक सक्रियतावाद चलन में आया :
(A) विधायिका और कार्यपालिका द्वारा अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करने में असफल रहना
(B) नागरिक न्यायपालिका की तरफ अपने मूल अधिकारों के संरक्षण हेतु अंतिम रूप से रूख करते हैं
(C) विधायी शून्यता के कारण
(D) उपरोक्त सभी के कारण

45. न्यायिक सक्रियतावाद को सक्रिय किया जाता है रिट याचिका दाखिल कर :
(A) अनुच्छेद 32 के अन्तर्गत उच्चतम न्यायालय में
(B) अनुच्छेद 226 के अन्तर्गत किसी राज्य के उच्च न्यायालय में
(C) (A) और (B) दोनों सही हैं
(D) उपरोक्त में से कोई सही नहीं है

46. न्यायिक सक्रियतावाद का प्रयोग किया जाता है :
(A) उच्चतर न्यायालयों द्वारा
(B) कार्यपालिका द्वारा
(C) विधायिका द्वारा
(D) उपरोक्त सभी द्वारा

47. Which among the following is an outcome of Judicial activism in India ?
(A) Judicial Review
(B) Public Interest litigation
(C) Free Legal Aid
(D) Establishment of National Human Right's Commission

48. Who among the following Justices is not associated with the Judicial activism in India ?
(A) Justice P. N. Bhagwati
(B) Justice Subba Rao
(C) Justice O. Chinnappa Reddy
(D) Justice D. A. Desai

49. The doctrine of Judicial Activism was introduced in India in the :
(A) Middle of 1970
(B) Middle of 1980
(C) Middle of 1990
(D) Year 2000

50. The concept of Judicial Activism originated from which of the following country ?
(A) U.S.A. (United States of America)
(B) India
(C) Britain
(D) France

47. निम्न में से कौन न्यायिक सक्रियतावाद का परिणाम है ?
(A) न्यायिक पुनर्विलोकन
(B) जनहित याचिका
(C) निशुल्क विधिक सहायता
(D) राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की स्थापना

48. भारत में निम्न न्यायाधीशों में से कौन न्यायिक सक्रियतावाद से संबंधित नहीं है ?
(A) न्यायाधीश पी० एन० भगवती
(B) न्यायाधीश सुब्बा राव
(C) न्यायाधीश ओ० चिन्नप्पा रेड्डी
(D) न्यायाधीश डी० ए० देसाई

49. भारत में न्यायिक सक्रियतावाद सिद्धान्त का प्रारंभ हुआ था :
(A) 1970 के मध्य में
(B) 1980 के मध्य में
(C) 1990 के मध्य में
(D) वर्ष 2000 से

50. निम्न में से किस देश में न्यायिक सक्रियतावाद की संकल्पना प्रारम्भ हुई ?
(A) यू० एस० ए० (संयुक्त राष्ट्र अमेरिका) में
(B) भारत में
(C) ब्रिटेन में
(D) फ्राँस में

51. Generally 'Welfare Laws' are given:
(A) Strict interpretation
(B) Liberal and wide interpretation
(C) Restricted interpretations
(D) All the above

51. सामान्यतः 'कल्याणकारी विधियों' को निर्वचित किया जाता है :
(A) कठोरता से
(B) उदारता एवं विस्तारपूर्ण ढंग से
(C) संकुचित रूप में
(D) उपरोक्त सभी

52. There is no need of for interpretation by courts when :
(A) The words used in statute are clear and unambiguous
(B) Words used in statute are ambiguous
(C) Words of the statute are plain and simple and no other meaning is possible
(D) Both (A) and (C) are correct

52. न्यायालय द्वारा निर्वचन की आवश्यकता नहीं होती है जब :
(A) संविधि में प्रयुक्त शब्द स्पष्ट और असंदिग्ध हों
(B) संविधि में प्रयुक्त शब्द संदिग्ध हो
(C) संविधि के शब्द साधारण तथा सरल हो जिस कारण उनका दूसरा अर्थ संभव न हों
(D) दोनों (A) और (C) सही हैं

53. The legal maxim which says, the stand by things already decided is :
(A) Obiter Dicta
(B) Ratio Decidendi
(C) Stare Decisis
(D) Res Ipsa Locquitor

53. वह विधिक सिद्धान्त जो यह नियम प्रतिपादित करता है कि, "पूर्व में निर्णीत बातों के साथ ठहरना/अमल करना चाहिए" है :
(A) ओबाइटर डिक्टा सिद्धान्त
(B) रेसियो डिसाईडेन्टी सिद्धान्त
(C) स्टैर डेसिस सिद्धान्त
(D) रेस इप्सा लॉक्यूटर सिद्धान्त

54. Which among the following is not a general rule of interpretation:

(A) A statute should be read as a whole

(B) Same word to have same meaning

(C) Technical words to have ordinary meaning

(D) Express mention of a thing is exclusion of other

54. निम्न में से कौन निर्वचन का साधारण नियम नहीं है :

(A) एक संविधि को सपूर्णतः में पढ़ना चाहिए

(B) समान शब्द का समान अर्थ होता है

(C) तकनीकी शब्दों का साधारण अर्थ हो

(D) किसी एक वस्तु का स्पष्ट उल्लेख दूसरे का अपवर्जन होता है

55. "Ut Res Magis Valeat Quam Pareatis" is also known as Rule of:

(A) Reasonable Construction

(B) Harmonious Construction

(C) Mischief

(D) All the above

55. "अट रेस मेगिस वैलियट क्वाम पेरियाटिस" को निम्न में से किस नियम से संबंधित करते हैं :

(A) युक्तियुक्त अर्थान्वयन से

(B) सामंजस्यपूर्ण अर्थान्वयन से

(C) रिष्टि से

(D) उपरोक्त सभी से

56. "The express mention of one thing in a Act implies the exclusion of another." The statement refers to rule of :

(A) Expressio unius est exclusio-alterius

(B) Noscitur a Sociis

(C) Ejusdem Generis

(D) Inconsistency Rule

56. किसी संविधि में एक वस्तु का स्पष्ट उल्लेख दूसरे का विवक्षित अपवर्जन है।" यह कथन जिस नियम से संबंधित है, वह है :

(A) ऐक्सप्रेसियो यूनियस इस्ट ऐक्सक्लूसियो आल्टीरियस

(B) नासिटर अ सोसिस

(C) इजुस्डेम जेनेरिस

(D) असंगतता नियम

57. "Meaning of word should be known from its accompanying or associate words." The statement refers to :

(A) Golden Rule
(B) Noscitur a sociis - Rule
(C) Mischief Rule
(D) Literal Rule

57. "किसी शब्द का अर्थ उसके साथ आने वाले अथवा साहचर्य शब्दों से जानना चाहिए" यह कथन संबंधित है :

(A) स्वर्णिम नियम से
(B) नासिटर अ सोसिस नियम से
(C) रिष्टि के नियम से
(D) शाब्दिक अर्थान्वयन के नियम से

58. Where in an enactment there are two provisions which cannot be reconciled with each other, they should be so interpreted that, if possible effect may be given to both. This is called as Rule of :

(A) Harmonious Construction
(B) Ejusdem Generis
(C) Stare Decisis
(D) Reasonable Construction

58. जब किसी संविधि के दो परस्पर विरोधी प्रावधानों का समाधान न किया जा सके तो उनका निर्वचन ऐसे करना चाहिए, यदि संभव हो तो दोनों को प्रभावी बनाया जाये, इस नियम को कहते हैं :

(A) सामंजस्यपूर्ण अर्थान्वयन
(B) सजाति अर्थान्वयन
(C) पूर्व–निर्णय
(D) युक्तियुक्त अर्थान्वयन

59. The Golden Rule of interpretation is also called :

(A) Transformative system of interpretations
(B) Variable Rule
(C) Alternative interpretation Rule
(D) None of the above

59. निर्वचन के स्वर्णिम नियम को इस नाम से भी संबोधित करते हैं :

(A) निर्वचन की रूपान्तरण प्रणाली से
(B) चर नियम से
(C) वैकल्पिक नियम से
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

60. The Rule which is amended form of Literal Rule is :

(A) Mischief Rule
(B) Golden Rule
(C) Rule of Harmonious Construction
(D) All the above Rules

60. वह नियम जो कि शाब्दिक निर्वचन नियम का संशोधित स्वरूप है, वह है :

(A) रिष्टि का नियम
(B) स्वर्णिम नियम
(C) सामंजस्यपूर्ण अर्थान्वयन का नियम
(D) उपरोक्त सभी नियम

61. In Interpretation of statutes judges should apply first :

(A) Purpose approach

(B) Golden Rule

(C) Literal Rule

(D) Mischief Rule

61. संविधियों के निर्वचन में न्यायाधीशों को सर्वप्रथम प्रयुक्त करना चाहिए :

(A) उद्देश्य युक्त कार्यप्रणाली का

(B) स्वर्णिम नियम का

(C) शाब्दिक नियम का

(D) रिष्टि नियम का

62. The words of the statute are to be given their plain and ordinary meaning is related to :

(A) Mischief Rule

(B) Golden Rule

(C) Natural Rule

(D) Literal Rule of Interpretation

62. "एक संविधि के शब्दों को उनके सहज एवं साधारण अर्थ में ही देखना चाहिए", यह संबंधित है :

(A) रिष्टि नियम से

(B) स्वर्णिम नियम से

(C) नैसर्गिक नियम से

(D) शाब्दिक निर्वचन नियम से

63. Rule of Harmonious Construction is :

(A) Fundamental rule of interpretation

(B) Subsidiary rule of interpretation

(C) Both fundamental and subsidiary rule of interpretation

(D) Is a rule of Evidence

63. सामंजस्यपूर्ण अर्थान्वयन का नियम है :

(A) मूलभूत नियम

(B) सहायक नियम

(C) मूलभूत तथा सहायक नियम दोनों

(D) साक्ष्य का नियम है

64. Rule of Ejusdem Generis was propounded by :

(A) Lord Crawford

(B) Lord Tenterton

(C) Maxwell

(D) Lord Atkin

64. सजाति अर्थान्वयन का नियम प्रतिपादित किया था :

(A) लार्ड क्रॉफोर्ड द्वारा

(B) लार्ड टेन्टर्टन द्वारा

(C) मैक्सवेल द्वारा

(D) लार्ड एटकिन द्वारा

65. Case Law is a :
(A) Law representing the decision of the courts
(B) Law passed by parliament
(C) Delegated legislation
(D) Case law refers to established Vsages

65. न्यायिक निर्णय है :
(A) वह विधि जिसमें न्यायालय के निर्णय का प्रतिनिधित्व होता है
(B) संसद द्वारा बनाई गई विधि
(C) प्रत्यायोजित विधायन
(D) न्यायिक निर्णय से तात्पर्य स्थापित रूढ़ियों से

66. Rule of Ejusdem Generis is applicable when :
(A) General words follows specific words
(B) Specific words follows general words
(C) Both (A) and (B) are correct
(D) Either (A) or (B) is correct

66. सजाति अर्थान्वयन का नियम लागू होता है जब :
(A) सामान्य शब्दों द्वारा विशेष शब्दों का अनुसरण किया जाता है
(B) विशिष्ट शब्दों द्वारा सामान्य शब्दों का अनुसरण किया जाये
(C) दोनों (A) और (B) सही हैं
(D) या तो (A) अथवा (B) सही है

67. Haydon's case deals with the :
(A) Golden Rule
(B) Literal interpretations
(C) Mischief Rule
(D) Rule of reasonable-construction

67. 'हेडन का वाद' संबंधित है :
(A) स्वर्णिम नियम से
(B) शाब्दिक निर्वचन से
(C) रिष्टि के नियम से
(D) युक्तियुक्त अर्थान्वयन के नियम से

68. While interpreting a statute it should not be given a meaning that makes other provisions :
(A) Redundant
(B) In-effective
(C) Dormant
(D) None of the above

68. संविधि का निर्वचन ऐसा नहीं किया जाना चाहिए जिससे अन्य प्रावधान :
(A) अनावश्यक हो जायें
(B) निष्प्रभावी हो जायें
(C) सुप्त हो जायें
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

69. In interpretation of statutes the Mischief Rule states that :

(A) Judges should interpret the words literally

(B) Judges should look at the 'Mischief' which the Act was passed to prevent give

(C) Judges should words situational interpretation

(D) There is no room for Mischief in courts

69. संविधियों के निर्वचन में 'रिष्टि का नियम' कथित करता है :

(A) न्यायाधीश शब्दों का निर्वचन शाब्दिक रूप में करें

(B) न्यायाधीश उस 'दोष' को देखे जिसका निवारण करने हेतु अधिनियम पारित किया गया था

(C) न्यायाधीश शब्दों का निर्वचन परिस्थितियों के अनुसार करें

(D) 'रिष्टि' के लिए न्यायालय में कोई स्थान नहीं है

70. If there is a discrepancy between the schedule and a specific provision of the statute then which among the following will prevail ?

(A) Specific provision

(B) Schedule

(C) Both will be applicable as per the situation

(D) None of the above

70. जब किसी संविधि के अनुसूची तथा विशिष्ट प्रावधान में असंगतता हो तब निम्न में से कौन प्रभावी होगा ?

(A) विशिष्ट प्रावधान

(B) अनुसूची

(C) परिस्थिति अनुसार दोनों को लागू किया जा सकता है

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

71. International conventions are :

(A) External aid of interpretation

(B) Internal aid of interpretation

(C) Both external and internal aid of interpretation

(D) None of the above

71. अंतर्राष्ट्रीय अभिसमय है निर्वचन के :

(A) बाह्य सहायक

(B) आंतरिक सहायक

(C) बाह्य एवं आंतरिक सहायक दोनों

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

72. Stare-Decisis is an :

(A) Internal aid of interpretation

(B) External aid of interpretation

(C) Constitutional aid of interpretation

(D) Judicial aid of interpretation

72. 'पूर्व दृष्टान्त' है :

(A) निर्वचन का आंतरिक सहायक

(B) निर्वचन का बाह्य सहायक

(C) निर्वचन का संवैधानिक सहायक

(D) निर्वचन का न्यायिक सहायक

73. Which of the following is an external aid for interpretation of statutes ?
(A) Foreign Decisions
(B) Historical Background
(C) Parliamentary History
(D) All the above

74. Which among the following contains object of an Act ?
(A) Short Title
(B) Long Title
(C) Preamble
(D) All the above

75. Doctrine of Stare-Decisis is also known as :
(A) Theory of Precedent
(B) Doctrine of Eclipse
(C) Doctrine of Harmonious interpretation
(D) Doctrine of Severability

76. In order to clear ambiguity of a statute and to as certain its meaning the court can consider resources outside the Act called :
(A) Foreign Aids of interpretation
(B) External Aids of interpretation
(C) Residuary Aids of interpretation
(D) Beneficial Aids of interpretation

73. संविधियों के निर्वचन में कौन बाह्य सहायक है?
(A) विदेशी निर्णय
(B) ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
(C) संसदीय इतिहास
(D) उपरोक्त सभी

74. निम्न में से किसमें किसी अधिनियम का उद्देश्य समाहित होता है ?
(A) लघु शीर्षक में
(B) दीर्घ शीर्षक में
(C) प्रस्तावना में
(D) उपरोक्त सभी में

75. 'स्टेर–डेसीसिज' सिद्धान्त को निम्न में से जिस नाम से जाना जाता है, वह है :
(A) पूर्व–निर्णय का सिद्धान्त
(B) आच्छादन सिद्धान्त
(C) सामंजस्यपूर्ण निर्वचन सिद्धान्त
(D) पृथक्कता सिद्धान्त

76. किसी संविधि की संदेहस्पदता को दूर करने तथा उसका अर्थ सुनिश्चित करने हेतु न्यायालय संविधि के बाहर के संसाधनों का संज्ञान ले सकता है, जिन्हें कहते हैं :
(A) संविधि निर्वचन के विदेशी सहायक
(B) संविधि निर्वचन के बाह्य सहायक
(C) संविधि निर्वचन के अवशेष सहायक
(D) संविधि निर्वचन के लाभकारी सहायक

77. Which among the following doctrine propounds the principle that a law which violates fundamental rights is not a nullity or voidable initio but is unenforceable :

(A) Doctrine of Eclipse
(B) Doctrine of Waiver
(C) Doctrine of Severability
(D) None of the above

77. निम्न में से कौन सा सिद्धान्त प्रतिपादित करता है कि "एक विधि जो मूलभूत अधिकार का' अतिक्रमण करती है न तो शून्य है और न ही प्रारब्धतः शून्य है अपितु अप्रवर्तनीय होती है।" :

(A) आच्छादन का सिद्धान्त
(B) अभित्यजन का सिद्धान्त
(C) पृथक्कता का सिद्धान्त
(D) उपरोक्त कोई नहीं

78. Rules applicable to taxation statutes are given:

(A) Strict and narrow interpretation
(B) Liberal and wide interpretation
(C) Beneficial interpretation
(D) Utilitarian interpretation

78. कर संविधियों पर लागू होने वाले नियमों का निर्वचन किया जाता है :

(A) कठोर एवं संकीर्ण
(B) उदारवादी एवं विस्तृत
(C) लाभकारी निर्वचन
(D) उपयोगितावादी निर्वचन

79. Statutes that exist for a specified fixed period are called :

(A) Permanent statute
(B) Temporary statute
(C) Codifying statute
(D) Consolidating statute

79. वे संविधियाँ जो कि विशिष्ट निर्धारित अवधि के लिए विद्यमान रहते हैं, कहलाते है :

(A) स्थायी संविधि
(B) अस्थायी संविधि
(C) संहिताकारी संविधि
(D) समेकनकारी संविधि

80. Which among the following is an external aid to interpretation of statues ?

(A) Illustration
(B) Title
(C) Dictionary
(D) Punctuation

80. निम्न में से कौन संविधियों के निर्वचन का बाह्य सहायक है ?

(A) दृष्टान्त
(B) शीर्षक
(C) शब्दकोष
(D) विराम–चिन्ह

81. The meaning of a word given in interpretation clause of an Act :
(A) Cannot be used and applied to any other Act
(B) Can be applied and used in another Act if specifically, mentioned
(C) Can be used and applied freely to another Act
(D) Only (A) and (B) are correct

81. किसी अधिनियम के निर्वचन खण्ड में दिये गये शब्द का अर्थ :
(A) किसी अन्य अधिनियम में प्रयुक्त एवं लागू नहीं किया जा सकता
(B) अन्य अधिनियम में प्रयुक्त और लागू हो सकता है यदि स्पष्ट रूप से उल्लिखित हो
(C) किसी अन्य अधिनियम से प्रयुक्त और लागू बिना प्रतिबन्ध के हो सकता है
(D) केवल (A) और (B) सही हैं

82. 'Proviso' to an Act is added :
(A) To impose a condition upon the Act
(B) Create an exception
(C) Both (A) and (B) are true
(D) Neither (A) nor (B) is true

82. किसी अधिनियम में 'परन्तुक' जोड़ा जाता है :
(A) अधिनियम पर कोई शर्त अधिरोपित करने हेतु
(B) किसी अपवाद का सृजन करने हेतु
(C) (A) और (B) दोनों सही हैं
(D) न ही (A) सही है और न ही (B) सही है

83. The short notes given towards the left side of a section of an Act are called :
(A) Marginal Notes
(B) Explanatory Notes
(C) Schedule
(D) Proviso

83. अधिनियम में धारा की शुरूआत पर बाँयी तरफ दी गई छोटी टिप्पणी कहलाती है :
(A) पार्श्वांकित टिप्पणी
(B) स्पष्टकारी टिप्पणी
(C) अनुसूची
(D) परन्तुक

84. When the enacting part of statute is clear and unambiguous then preamble cannot be used to :
(A) Control its meaning
(B) Restrict its meaning
(C) Elucidate its meaning
(D) All the above are correct

84. जब किसी संविधि का अधिनियमित भाग स्पष्ट तथा संदिग्धताविहीन हो तब प्रस्तावना का उपयोग नहीं किया जा सकता है :
(A) अर्थ को नियन्त्रित करने हेतु
(B) अर्थ को सीमित करने हेतु
(C) अर्थ को स्पष्ट करने हेतु
(D) उपरोक्त सभी सही हैं

85. 'Exception' to a statute are its :
(A) External aid
(B) Internal aid
(C) Special aid
(D) None of the above

85. किसी संविधि के 'अपवाद' होते हैं उसके :
(A) बाह्य सहायक
(B) आंतरिक सहायक
(C) विशेष सहायक
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

86. 'Title and Schedules of a statute are its :
(A) Internal aids
(B) External aids
(C) Natural aids
(D) Both Internal and External aids

86. किसी संविधि का 'शीर्षक' तथा अनुसूचियाँ हैं उसके :
(A) आंतरिक सहायक
(B) बाह्य सहायक
(C) नैसर्गिक सहायक
(D) आंतरिक तथा बाह्य सहायक दोनों

87. In a statute apart from its enacted parts there are many other parts which are called its :
(A) External Aids
(B) Internal Aids
(C) Natural Aids
(D) Equitable Aids

87. एक संविधि में अपने अधिनियमकारी भागों के अतिरिक्त कई अन्य भाग होते है जो कहलाते हैं उसके :
(A) बाह्य सहायक
(B) आंतरिक सहायक
(C) नैसर्गिक सहायक
(D) साम्यिक सहायक

88. While interpreting a statute on various occasions the court faces many ambiguities and doubts and to clear the same it resorts to help of :
(A) Internal Aids to Interpretation
(B) External Aid to interpretation
(C) Internal and External Aids to interpretation
(D) None of the above

88. किसी संविधि का निर्वचन करते समय जब कई अवसरों पर न्यायालय को संदिग्धताओं तथा संशयों का सामना करना पड़े तो स्थिति स्पष्ट करने के लिए मदद लेता है :
(A) निर्वचन के आंतरिक सहायक उपकरणों का
(B) निर्वचन के बाह्य सहायक उपकरणों का
(C) निर्वचन के आंतरिक तथा बाह्य सहायक उपकरण दोनों का
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

89. In Interpretation of a statute the Courts a :
(A) Can establish a new law
(B) Can construct a new law
(C) Can give a form to law
(D) Both (B) and (C) are correct

89. संविधि के निर्वचन में न्यायालय :
(A) नई विधि की स्थापना कर सकते हैं
(B) नई विधि की संरचना कर सकते हैं
(C) विधि को स्वरूप दे सकते हैं
(D) दोनों (B) और (C) सही हैं

90. The process by which Courts understand the intention of a statute is called :
(A) Construction
(B) Interpretation
(C) Predominantly interpretation and partially construction
(D) Predominantly construction and partially interpretation

90. वह प्रक्रिया जिसके द्वारा न्यायालय संविधि का आशय समझते हैं, कहलाती है :
(A) अर्थान्वयन
(B) निर्वचन
(C) बहुतायतः निर्वचन एवं अंशतः अर्थान्वयन
(D) बहुतायतः अर्थान्वयन एवं अंशतः निर्वचन

91. Codifying statutes are :
(A) Statutes which codify laws
(B) Object based statutes
(C) Both (A) and (B) are true
(D) Both object and Duration based

91. संहिताकारी संविधियाँ हैं :
(A) संविधियाँ जो विधियों को संहिताबद्ध करती हैं
(B) उद्देश्य आधारित
(C) (A) व (B) दोनों सही हैं
(D) उद्देश्य तथा अवधि आधारित दोनों

92. Private statutes are based upon :
(A) Objective classification
(B) Scope applicability classification
(C) Duration classification
(D) Nature classification

92. प्राईवेट (निजी) संविधियाँ आधारित होती है :
(A) उद्देश्य वर्गीकरण पर
(B) प्रयोज्यता क्षेत्र वर्गीकरण पर
(C) अवधि वर्गीकरण पर
(D) स्वरूप वर्गीकरण पर

93. Enabling statutes are :
(A) Object based
(B) Duration based
(C) Nature based
(D) Domain of application

93. समर्थकारी संविधियाँ हैं :
(A) उद्देश्य आधारित
(B) अवधि आधारित
(C) प्रकृति आधारित
(D) प्रयोज्यता क्षेत्र आधारित

94. Statutes can be classified on the basis of :

(A) Duration only

(B) Nature only

(C) Object and scope of application

(D) All the above

94. संविधियों के वर्गीकरण का आधार होता है :

(A) अवधि मात्र

(B) प्रकृति मात्र

(C) उद्देश्य तथा प्रयोज्यता का क्षेत्र मात्र

(D) उपरोक्त सभी

95. Logical interpretation of a statute is resolved to when :

(A) Literal interpretation fails and leads to undesirable and inconsistent results.

(B) The language of statute is unclear and doubtful.

(C) Words of statute are clear and beyond doubt yet some judicial intervention is required.

(D) Both (A) and (B) are true

95. किसी संविधि का तार्किक निर्वचन तब किया जाता है जब :

(A) शाब्दिक निर्वचन असफल रहता है और आवाँछित एवं असंगत परिणाम देता है।

(B) संविधि की भाषा अस्पष्ट एवं संदेहयुक्त हो।

(C) संविधि के शब्द स्पष्ट और संदेहविहीन हो परन्तु फिर भी न्यायिक हस्तक्षेप आवश्यक होता है।

(D) (A) और (B) दोनों सही हैं।

96. "The Judge must not alter the material of which the statute in woven, but he can and should iron out the creases." The statement is attributable to :

(A) Lord Denning

(B) Crawford

(C) M. S. Bindra

(D) Maxwell

96. "एक न्यायाधीश को उस सामग्री में बदलाव नहीं करना चाहिए जिससे कोई अधिनियम निर्मित हुआ हो, परन्तु वह अधिनियम की सिलवटों तथा अस्पष्टता को दूर कर सकता है और निश्चित रूप से उसे ऐसा करना चाहिए।" यह कथन संबंधित है :

(A) लार्ड डेनिंग से

(B) क्रॉफोर्ड से

(C) एम० एस० बिन्द्रा से

(D) मैक्सवेल से

97. The statement- “A statute can be defined as the will of the legislature is attributable to :

(A) Salmond

(B) Maxwell

(C) Justice Cardozo

(D) Professor Goodhart

98. ‘Interpretation’ refers to the meaning of a fact where as construction refers to :

(A) Method through which interpretation is reached

(B) Deviation from interpretation

(C) Similarity from interpretation

(D) All the above

99. The relation between the ‘Interpretation’ and construction is that of :

(A) ‘Mean-End’ relation

(B) ‘End-Mean’ relation

(C) Depending on the circumstances the relation of contingency varies

(D) None of the above

100. Interpretation of statutes is a progcess by which of the following are ascertained ?

(A) Meaning and intent of an Act

(B) Object of an Act

(C) Nature of the Act

(D) All the above

97. यह कथन कि "एक संविधि को विधायिका की इच्छा के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।" संबंधित है :

(A) सामन्ड से

(B) मैक्सवेल से

(C) न्यायाधीश कॉर्डोजो से

(D) प्रोफेसर गुडहार्ट से

98. 'निर्वचन' किसी तथ्य के अर्थ को कहते हैं जबकि 'अर्थान्वयन' से अभिप्रेत है :

(A) वह तरीका जिसके द्वारा निर्वचन को प्राप्त किया जाता है

(B) निर्वचन से विचलन

(C) निर्वचन से समानता

(D) उपरोक्त सभी

99. 'निर्वचन' और 'अर्थान्वयन' के मध्य संबंध है :

(A) साधन–साध्य संबंध

(B) साध्य–साधन संबंध

(C) परिस्थितियों के अनुसार दोनों के माध्य समाश्रित संबंध परिवर्तित होता है

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

100. कानूनों का निर्वचन "एक प्रक्रिया है जिससे निम्न में कौन अभिनिश्चित किया जाता है ?

(A) अधिनियम के अर्थ एवं भाव

(B) अधिनियम का उद्देश्य

(C) अधिनियम की प्रकृति

(D) उपरोक्त सभी

******

Rough Work / रफ कार्य

Rough Work / रफ कार्य

<u>DO NOT OPEN THE QUESTION BOOKLET UNTIL ASKED TO DO SO</u>

1. Examinee should enter his / her roll number, subject and Question Booklet Series correctly in the O.M.R. sheet, the examinee will be responsible for the error he / she has made.
2. **This Question Booklet contains 100 questions, out of which only 75 Question are to be Answered by the examinee. Every question has 4 options and only one of them is correct. The answer which seems correct to you, darken that option number in your Answer Booklet <u>(O.M.R ANSWER SHEET)</u> completely with black or blue ball point pen. If any examinee will mark more than one answer of a particular question, then the answer will be marked as wrong.**
3. Every question has same marks. Every question you attempt correctly, marks will be given according to that.
4. Every answer should be marked only on Answer Booklet **<u>(O.M.R ANSWER SHEET)</u>.**Answer marked anywhere else other than the determined place will not be considered valid.
5. Please read all the instructions carefully before attempting anything on Answer Booklet**(O.M.R ANSWER SHEET).**
6. After completion of examination, please hand over the **<u>O.M.R. SHEET</u>** to the Examiner before leaving the examination room.
7. There is no negative marking.

Note: On opening the question booklet, first check that all the pages of the question booklet are printed properly in case there is an issue please ask the examiner to change the booklet of same series and get another one.